



7

जीवन के रंग



1. रमइया की हरी-भरी दुनिया

कुछ लोग उसे सनकी कहते हैं, कुछ जुनूनी तो कुछ और। मगर रमइया को इससे फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी साइकिल पर ढेरों पौधे लिए रोज सुबह घर से निकल पड़ता है; गीत गाता है और सबसे पेड़ उगाने को कहता है। रमइया अपने सपने की धुन में मगन है। उसका सपना है हरी-भरी धरती का, जंगल बचाने का, पेड़ लगाने का। रमइया जानता है कि इस सपने को कैसे पूरा करना है। किसी की शादी हो तो उपहार में पौधा देता है; जन्मदिन हो तो पौधा भेंट करता है। जहाँ जो भी मिल जाए उसे एक पौधा थमा देता है।



कई लोगों को उस पर शक हुआ कि कौन है यह आदमी? कुछ दिन पहले तक तो गुजारे के लिए दूध बेचता था और अब दूध के साथ-साथ पौधे भी लिए घूमता है। कुछ लोगों की शिकायत पर वन विभाग के अधिकारियों ने उसे बुलवाया। अधिकारी कुछ पूछ पाते, उससे पहले ही रमइया ने एक पौधा उनकी ओर बढ़ाया और बोला — जी पहले यह नीम का पौधा लीजिए। दाँतों के लिए इसकी दातुन बहुत ही लाभदायक होती है। इसके पत्ते जलाने से मच्छर दूर भाग जाते हैं। यह पौधा अपने घर के पास में लगाइएगा। अधिकारी ने और कुछ पूछने की जरूरत नहीं समझी।

रमइया का यह जुनून कैसे शुरू हुआ इसके पीछे भी एक कहानी है। वैसे तो उसे बचपन से पेड़-पौधे पसंद थे मगर अपने मास्टर जी की एक बात उसे हमेशा याद रही। मास्टर जी कहते थे — पेड़ हमें ताजी हवा, फल-फूल, छाया और बहुत कुछ देते हैं, जबकि बदले में बहुत थोड़ी-सी देखभाल माँगते हैं। इंसान होता तो इतना सब देने की बड़ी कीमत माँगता। रमइया ने कागज का नोट बनाकर उस पर पेड़ों की तस्वीर लगाई और उसके नीचे लिखा — 'पेड़ की कीमत पैसें से बढ़कर है।'।



एक बार रमइया की बेटी को तेज सिर दर्द हुआ। दवा लेने पर कुछ दिन तो ठीक रही लेकिन फिर यह दर्द रोज होने लगा। रमइया ने कारण खोजा तो पता चला कि बेटी के स्कूल में बाहर बैठकर पढ़ाई होती है। वहाँ पेड़ नहीं थे जिसके कारण उसकी बेटी ही नहीं बल्कि कई बच्चों के साथ ऐसा हो रहा था। रमइया ने सोचा कि क्यों न वहाँ पर इतने पौधे लगा दिए जाएँ कि बच्चे छाँव में बैठकर पढ़ें। यही विचार रमइया के जुनून का कारण बन गया। रमइया अपने हाथों से अब तक सैकड़ों पौधे लगा चुका है। स्कूल, दफ्तर, मंदिर-मस्जिद जहाँ भी जाता है पेड़ों के गुण बताता है। नए-नए तरीकों से लोगों को पेड़ लगाने के लिए मनाता है। उसने बेटी-बेटा की शादी के कार्ड पर पेड़ों के महत्व का संदेश लिखा। नारा लगाया - "धरती का अब करो शृंगार। पेड़ लगाओ सब दो-चार।।"

रमइया के इस जुनून में धीरे-धीरे बहुत लोग शामिल हो रहे हैं। वे कहते हैं - दस रमइया मिल जाएँ तो धरती बच जाए, जंगल भर जाएँ, खुशहाली आ जाए।

2. जंगल की आग

एक बार एक जंगल में आग लग गई। सभी जानवर आग बुझाने में जुट गए। जिसके हाथ में जो भी पात्र आया वह उसमें पानी भर कर आग में डालने लगा। सभी को आग बुझाने में जुटा देख, एक नन्ही गौरैया भी अपनी चोंच में पानी भर-भर कर आग में डालने लगी।

एक कौवा दूर सुरक्षित डाल पर बैठा तमाशा देख रहा था। वह गौरैया के पास आकर बोला- "नन्हीं गौरैया! क्यों बेकार मेहनत कर रही हो? तुम्हारी नन्हीं चोंच का बूँद भर पानी इस भयंकर आग को बुझाने में क्या सहायता कर पाएगा?"

गौरैया बोली - यह तो मैं भी जानती हूँ, परंतु यदि कभी इस आग के बारे में बात होगी, तो मेरा नाम आग लगाने वालों अथवा तमाशा देखने वालों में नहीं, बल्कि आग बुझाने वालों में लिया जाएगा।





शब्दार्थ

पाठ में जिन शब्दों का अर्थ आपको नहीं पता है, उन्हें छाँटकर लिखिए तथा शिक्षक/शब्दकोश की सहायता से उन शब्दों के अर्थ पता कीजिए।

1. बोध प्रश्न : उत्तर लिखिए –

- (क) रमइया के अंदर पेड़ लगाने का जुनून कैसे पैदा हुआ ?
- (ख) रमइया का सपना क्या है ?
- (ग) रमइया अपना सपना पूरा करने के लिए क्या-क्या करता है ?
- (घ) रमइया ने कौन सा नारा दिया ?
- (ङ) आग लगने पर नन्हीं गौरैया क्या कर रही थी ?
- (च) कौवे ने गौरैया से क्या कहा ?
- (छ) गौरैया ने कौवे को क्या जवाब दिया ?

2. सोच-विचार : बताइए –

- (क) पेड़ थोड़ी सी देखभाल के बदले हमें क्या-क्या देते हैं ?
- (ख) रमइया ने पेड़ लगाकर अपना सपना पूरा किया। आपका सपना क्या है ? इसे पूरा करने के लिए आप क्या करेंगे ?
- (ग) अगर आपको पेड़ लगाने हों तो किस-किस के लगाओगे ? यही पेड़ क्यों लगाओगे ?
- (घ) पेड़ कहाँ-कहाँ लगाओगे ? और इनकी देखभाल कैसे-कैसे करोगे ?

3. भाषा के रंग –

- (क) 'वहाँ' शब्द में चंद्रबिंदु (अनुनासिक) तथा 'जंगल' शब्द में केवल बिंदी (अनुस्वार) लगा है। पाठ में आए हुए अनुस्वार और अनुनासिक लगे शब्दों को छाँटकर लिखिए—

अनुनासिक (¨) शब्द

अनुस्वार (¨) शब्द



(ख) उदाहरण के अनुसार पानी के पर्यायवाची शब्दों में क्रमशः 'ज', 'द' व 'धि' जोड़ें—
कमल, बादल व समुद्र के पर्यायवाची बनाइए—

पानी	कमल	बादल	समुद्र
	+ ज	+ द	+ धि

जल	जल+ज = जलज		
वारि			
नीर			

(ग) 'ती' लगाकर पुलिङ्ग से स्त्रीलिङ्ग में बदलिए —

बुद्धिमान	बुद्धिमती	रूपवान	
गुणवान		श्रीमान	
भाग्यवान		शीलवान	

(घ) विलोम लिखिए—

जागना		उठना	
रोना		चढ़ना	
कोमल		पराजय	

(ङ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए —

गौरैया बोली — यह तो भी जानती हूँ परंतु यदि कभी इस
बारे में होगी, तो मेरा नाम आग वालों अथवा
..... देखने वालों में नहीं, बल्कि बुझाने वालों में लिख
जाएगा।

(च) अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए —

पेड़ लगाना, सपने देखना, आग बुझाना, पेड़ों की देखभाल करना,
उपहार में पौधे देना, तमाशा देखना, कोशिश जारी रखना।



4. तुम्हारी कलम से –

(क) पाठ में एक वाक्य है – ‘दस रमइया मिल जाएं तो धरती बच जाए’। सोचिए और लिखिए कि हम किन-किन तरीकों से लोगों को रमइया की भाँति पेड़ लगाने को जागरूक कर सकते हैं ?

(ख) अपने बड़ों से पता करके लिखिए –

- आपके आस-पास के पेड़ किसने लगाए हैं ?
- किस व्यक्ति ने सबसे ज्यादा पेड़ लगाए हैं ?
- यदि वह व्यक्ति जीवित है तो उनसे मिलकर पूछिए कि उन्हें पेड़ लगाने की प्रेरणा किससे मिली ?

5. अब करने की बारी –

(क) गौरैया और कौवा के चित्र बनाइए ।

(ख) तालिका के अनुसार पेड़-पौधों के नाम लिखिए –

छायादार	फलदार	कीमती लकड़ी	औषधीय	सजावटी

(ग) पेड़ों के महत्त्व से संबंधित एक पोस्टर बनाकर और उसे ऐसी जगह पर लगाइए जहाँ बहुत से लोग आते-जाते पढ़ सकें।

(घ) **हरा – भरा स्कूल** : बच्चे छाँव में पढ़ सकें इसके लिए रमइया ने बहुत से पौधे लगा दिए। आप भी बना सकते हैं अपने स्कूल को हरा-भरा, जानें कैसे –

- अपने साथियों के साथ स्कूल में उन जगहों की तलाश कीजिए, जहाँ पेड़ लगाए जा सकते हैं।
- बरसात के मौसम में अपने साथियों के साथ मिलकर इन जगहों पर अपनी-अपनी पसंद के पौधे लगाइए।



- अब इन पौधों की नियमित देखभाल कीजिए। आप देखेंगे कुछ ही दिनों में आपका स्कूल कितना हरा-भरा हो गया है।

6. मेरे दो प्रश्न : पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइए -

1.
2.

7. इस पाठ से -

- (क) मैंने सीखा -
- (ख) मैं करूँगी/करूँगा -

यह भी जानिए -

आग कभी भी कहीं भी लग सकती है लेकिन हम इसके प्रति जागरूक नहीं रहते हैं। कहीं भी आग लगने पर तत्काल -

- किसी बड़े को सूचित करें।
- आग लगने पर सबसे पहले सभी इलेक्ट्रिक स्विच ऑफ (बंद) कर दें।
- यदि आग तैलीय पदार्थ में लग जाए तो उस पर पानी कभी न डालें।
- आग लगने पर सबसे पहले रसोई गैस सिलेंडर की नॉब को बंद कर दें और उसे खुले स्थान पर पहुँचा दें।
- इलेक्ट्रॉनिक चीज में आग लगने पर उस पर बालू डालकर आग बुझाएँ।
- अगर कोई आग से जल गया है तो उसका खुद से उपचार करने के बजाय जल्दी से जल्दी डॉक्टर को दिखाएँ।
- भीषण आग लगने पर अग्नि शमन दल को बुलाने के लिए 101 तथा एम्बुलेंस के लिए 108 नम्बर पर सूचित करें।

